- (ग) यांब हां, ता वैराफित माम के मामले म देश व्य ता अल्पानियर हो जायनाः आर
- (ब) देश में जोतनके जिलन मुख्य के हिंदन वेदाका बान स बाबात हिंदा जाता ह ?

पेट्रोलियम और प्राट्तिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्रा (को बहा दत्त) : (ं) वय 1987-88 में दीरान पराफीन बेरेन का उत्रादन 48,500 में ० टन ग्रार खनत 66,000 म 0 टन तह होने ा अनमान है।

## (ख) जं, हां।

- (ग) बढ़ हुई मांग का पूरा ंरने के लिए फुड़ । स्हाइतियों भ नेका क उत्पादन का बढ़ावा जा सन्ता ह।
- (घ) चालू वर्ब के दारान आयात विषे जाने वाल वैशक न वैक्स ा बारा निम्नलिखित है :-

मुल्म

माता भी उदन सी एण्ड० एफ० अनरी ही डालर

1987-88 20.000

r,33,00,000.00

## Retirement age of Judges

"300. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state;

- (a) whether there i<sub>s</sub> any proposal to raise the retirement age of Judges Of High Courts; and
- (b) if so, by how many years and if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF PLANNING, THE MINISTER OF PROGRAMME IMPLEMENTATION AND THE MIN-ISTER OF LAW AND JUSTICE

(SHRI P. SHIV SHANKER): (a) No, Sir.

to Questions

(b) Does not arise.

## भाखडा बांध में पानी का स्तर

- @2468. श्री रशीद मसुद : नग कर्जा मन यह बताने का ल्या तरेंगे जि:
- (ा) बना यह तब है कि पूर्वनर्ती वयों क त्रता में बताई, 1987 के महने में भाखड़ा बांध ता जत-स्तर तम हा गना था;
- (ख) यदि हां, तो इतके नग गरग Ř;
- (ग) नवा यह मा सब है कि वानो का स्तर कम हो जाते के अरण उत्तरी क्षेत्र के अनेत राज्य प्रमावित होते हैं; भार
- (घ) यदि हां, तो नग तरहार ने संबंधित राज्यों को इत परिणान त्रनाव से अवगत कराने के लिये तमा प्रमास किया है ?

ऊर्जी मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीनती मुसीला रोहतगी) : (क) जी, हां।

- (ख) इत्तरा मुख्य कारण सतल्ज नदा के अपवाह क्षेत्र में वर्षा का कमा के कारण भाखड़ा जनाशय में अन्तर्वाह कम होना है।
- (ग) यदि वर्तमान प्रवृत्ति वनः रहेगो तो जनाशय का जल स्तर नःचा रहने से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान राज्यों में निचाई के साथ-साथ विदात के उत्पादन पर भं प्रभाव पड़ेगा।
- (य) माखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड ने बोर्ड को तकन का समिति का बैठकों में राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों को स्थिति से अवगत करा दिया है।

<sup>@</sup>पूर्वतः अतारांक्ति प्रका 1484 जिसे 7 जुलाई, 1987 से स्थानांतरित किया गया।